सूर्य देव जी की आरती

ऊँ जय कश्यप नन्दन, ऊँ जय अदिति नन्दन
त्रिभुवन तिमिर निकंदन, भक्त हृदय चन्दन
ऊँ जय कश्यप नन्दन ।

सप्त अश्वरथ राजित, एक चक्रधारी
दु:खहारी, सुखकारी, मानस मलहारी
ऊँ जय कश्यप नन्दन ।

सुर मुनि भूसुर वन्दित, विमल विभवशाली
अघ-दल-दलन दिवाकर, दिव्य किरण माली
ऊँ जय कश्यप नन्दन ।

सकल सुकर्म प्रसविता, सविता शुभकारी
विश्व विलोचन मोचन, भव-बंधन भारी
ऊँ जय कश्यप नन्दन ।

कमल समूह विकाशक, नाशक त्रय तापा
सेवत सहज हरत अति, मनसिज संतापा
ऊँ जय कश्यप नन्दन ।

नेत्र व्याधि हर सुरवर, भू-पीड़ा हारी
वृष्टि विमोचन संतत, परहित व्रतधारी
ऊँ जय कश्यप नन्दन ।

सूर्यदेव करुणाकर, अब करुणा कीजै
हर अज्ञान मोह सब, तत्वज्ञान दीजै
ऊँ जय कश्यप नन्दन ।

ऊँ जय कश्यप नन्दन, ऊँ जय अदिति नन्दन
त्रिभुवन तिमिर निकंदन, भक्त हृदय चन्दन
ऊँ जय कश्यप नन्दन ।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23561/title/suryadev-ji-ki-aarti

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |